

प्रेषक,

अरविन्द सिंह हयांकी,  
अपर सचिव,  
उत्तरांचल शासन।

सेवा में,

मुख्य अभियन्ता एवं विभागाध्यक्ष,  
सिंचाई विभाग, उत्तरांचल,  
देहरादून।

सिंचाई विभाग,

देहरादून, दिनांक- 03-12 नवम्बर, 2005

विषय:- 12 वें विश्व जल कांग्रेस के आयोजन हेतु राज्य सरकार द्वारा 2.00 लाख का अनुदान दिये जाने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक श्री जी०एन० माथुर, सचिव, जियोग्राफिकल कमेटी आफ दि इंटरनेशनल वाटर रिसोर्सेज एसोसिएशन (इंडिया) के पत्र संख्या-90 (40)/XII/IWRA कांग्रेस/2005/नई दिल्ली, दिनांक-29.06.2005 (प्रति संलग्न) का कृपया सन्दर्भ ग्रहण करें।

प्रश्नगत प्रकरण में दिनांक-22.11.2005 से दिनांक-25.11.2005 तक नई दिल्ली में 12 वें विश्व जल कांग्रेस का आयोजन किया जा रहा है। जल संसाधन के विशिष्टताओं के विषय पर केन्द्र सरकार एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर होने वाले इस सम्मेलन की संस्तुतियां उत्तरांचल के लिए महत्वपूर्ण होगी। इस कांग्रेस की महत्ता को देखते हुए उत्तरांचल सरकार द्वारा धनराशि रु० 2.00 लाख के अनुदान दिये जाने का निर्णय लिया गया है।

अतः इस सम्बन्ध में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि कृपया उक्त कांग्रेस हेतु धनराशि रु० 2.00 लाख की व्यवस्था लेखा शीर्षक-2700-मुख्य सिंचाई, 001-निदेशन तथा प्रशासन, 04-कार्यकारी अधिष्ठान, 08-कार्यालय व्यय मद से करने का कष्ट करें।

संलग्नक-यथोक्त।

भवदीय,

(अरविन्द सिंह हयांकी)  
अपर सचिव।

4273

1. महालेखाकार, उत्तरांचल।

2. कोषाधिकारी, देहरादून।

3. निजी सचिव, मा० मुख्य मंत्री, उत्तरांचल को मा० मुख्य मंत्री जी के संज्ञानार्थ।

4. निजी सचिव, मा० सिंचाई राज्य मंत्री, उत्तरांचल को मा० सिंचाई राज्य मंत्री जी के संज्ञानार्थ।

5. निदेशक, एन0आई0सी0, सचिवालय परिसर, देहरादून।

6. गार्ड फाईल।

भवदीय,

विषय- 12. विनाशकारी विचारों के अखंड प्रसारण के कारणों का विश्लेषण और समाधान के उपायों का प्रस्ताव।

कवि

✓ (अरविन्द (सिंह हयांकी)  
अपर सचिव।

उपस्थित विद्वान् श्री श्री हरमोहि माथर, सचिव, नियोजन विभाग, राज्य  
पाषाण वि. इ. संस्थान, बड़ौदा, सांख्यिक संशोधन (इण्डिया), व.  
(40)/XII/1984-कै.सं. / 2005 / नई दिल्ली दिनांक- 29.03.2005.  
को लागू करने का कार्य है।

प्रस्ताव 30 वर्ष में दिनांक-22/03/2005 से दिनांक-  
तक नई दिल्ली में 12 वें विश्व जल कांग्रेस का आयोजन किया जा  
जले संसाधन के विभिन्न क्षेत्रों के विषय पर केन्द्र सरकार एवं अन्तर्राष्ट्रीय  
पर-होने वाले इस सम्मेलन का सन्ततिया अन्तराज्य के लिए महत्वपूर्ण  
संसाधन के विकास के लिए है। इस सम्मेलन का आयोजन भारत सरकार द्वारा  
2005 साल के आयोजन के लिए निर्णय लिया गया है।